

भाग II—वण्ड 4 PART II—Section 4 प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

No. 7] NEW DELHI, FRIDAY, SEPTEMBER 20, 1991/BHADRA 29, 1913

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

रक्षा मंद्रालय

नई दिल्ली, 19 सितम्बर, 1991

का.नि.स्रा. 6(अ):—सेना स्रधिनियम, 1950 (1950 का 46) के खंड 9 द्वारा प्रदत्त शिक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार यह घोषणा करती है कि उपर्युक्त ग्रिधिनियम के ग्रन्तर्गत ग्राने वाले सभी व्यक्तियों को जो खंड 3 के उपखंड (1) के ग्रधीन सिक्रिय सेवा में नहीं ग्राते, ग्रापरेशन रेनों पर तैनात सेना फार्मेशनों तथा यूनिटों के

साथ काम करते हुए उपर्युक्त ग्रिधिनियम की अर्ती तथा ग्रस्थायी रूप में लाग् किसी भी दूसरे नियम के ग्रन्तर्गत, सिक्षय तेवा पर तैनात प्रांना जायेगा।

· [फाइन मं. 50451/एजी/डीबी-1,1208/5927/डी(एजी)] एस. पी जाखनवाल, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF DEFENCE

New Delhi, the 19th September, 1991

S.R.O 6(E).—In exercise of the power confirmed by section 9 of the Army Act, 1950 (46 of 1950), the Central Government hereby declares that all persons subject to the said Act, who are not on active service under clause (1) of section 3 thereof, shall, while serving with the Army Formations and Units deployed on Operation RHINO be deemed to be on active service within the meaning of that Act for the purposes of the more said Act and of any other law for the time being in force.

[File No. 50451|AG\DV-1|120\S 5927\D\(AG\)!

S P. JAKHANWAL, Jt Secy.